

পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষিদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

৮-২২ জুলাই, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ১৩/২০২২)



ভা.কৃ.অ.প. –কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান
সংস্থান

ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute

Nilganj, Barrackpore, Kolkata-700121, West Bengal

www.icar.crijaf.gov.in

II. TMपाट फसलेर जन्य कृषि TMरामर्श

१। २७ एप्रिल - १० मे तारिखेर मध्ये लागानो पाटेर जन्य (फसलेर बयस १५-१० दिन)

- गरम ओ जलीय आबहाओयाय पाट पाताय म्याक्रोफेमिना फ्यासिओलिना -र आक्रमण हते पारे, या पातार बौंटा ओ पत्र किनारार माध्यमे क्रमे पाट गाछेर कान्दे आक्रमण छुडिये कान्द पचा रोग सुप्ति करे। प्रतिरक्षामूलक स्प्रेष हिसाबे म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटार जले २० दिन पर पर स्प्रेष करा येते पारे। जमिते जल जमा अबस्थाय থাকले এই रोगेर आशङ्का बाडे, तई जमिते सठिक जल निकासि ब्यबस्था अत्यावश्यक। जमिते पाटेर पर आलु चाष करा याबे ना एवं अन्न माटि हले जमिते हेक्टेर प्रति २-४ टन हिसाबे चून प्रयोग करते हबे।
- चाषिदर विशेषभाबे सतर्क हते हबे ये - वृष्तिर परे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेडे याय - এই अबस्थाय श्रुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर এই पोकार डिम ओ छोट छोट शुककीट एक जायगाय दलबद्ध भाबे देखा याय। परे द्रुत छुडिये पडे ओ पातार क्षति करे। तई चाषिरा नजर करे देखे, এই सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाडा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटार वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हबे।
- पाट चाषेर समस्त अध्रलेई, पाटेर षोडापोका (सेमिलुपार) पाट पाता खेये क्षति करे। एरा सरु, सबजे रंयेर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाट सबुज रंयेर लम्बा दागयुक्त पोका, या चलार समय माबखानटा उल्टानो इंगराजी ईट आकृतिर फांसेर मतो देखाय। पाट गाछेर ५०-८० दिन बयसेई बेशि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिककार ना खोला पाता थेकेई क्षति करा शुरु करे। आर उपरेर मोटि १ टि पातार मध्येई एदेर क्षतिर लक्षण देखा याय। पातार धारगुलो खेये खाँज करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भाबे काटा देखा याय। यदि क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग हय, तबे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेनोभेलारेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथिन् (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हबे। कीटनाशक छेटानोर समय केवलमात्र डगार पातागुलोर दिकेई बेशि करे ओयुध प्रयोग करते हबे।
- यदि जमिर जमा जल बेर करा सम्भव ना हय, एमन जरुरि अबस्थाय ८०-१० दिन बयसेर पाट केटे निन, फले अन्तत ५०-६० शतांश फलन पाओया याबे एवं चाषेर खरचेर आंशिक उठे आसबे।



८०-१० दिन बयसेर पाट



निचु जमिर क्षेत्त्रे यदि जमिर जमा जल बेर करा सम्भव ना हय, एमन जरुरि अबस्थाय ८०-१० दिन बयसेर पाट केटे निन।

हगलि जेलाय बेश किछू अध्रले कान्द पचा ओ शिकड़ पचा रोगेर प्रादुर्भाव देखा गेछे। भविष्यते এই रोग सुसंहत पद्धतिते नियन्त्रण करते हबे : (क) अन्न जमिते हेक्टेर प्रति २-४ टन चून प्रयोग; (ख) आलु जमिते पाट ना लागानो; (ग) कार्बेन्डाजिम २ ग्राम प्रति केजिते वा ट्राइकोडारमा १० ग्राम प्रति केजि मिशिये बीज शोधन; (घ) जमिते जल जमते ना देओया; (ङ) प्राथमिक भाबे २ ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करा।



गरम ও जलीय আবহাওয়ায় পাট পাতায় ম্যাক্রোফোমিনা ফ্যাসিওলিনা -র আক্রমণ ক্রমে পাট গাছের কাণ্ডে আক্রমণ ছড়িয়ে কাণ্ড পচা রোগ সৃষ্টি করে। প্রতিরক্ষামূলক স্প্রে হিসাবে পাতায় ম্যানকোজেব ০.২ শতাংশ বা কপার অক্সিক্লোরাইড ০.৩ শতাংশ প্রয়োগ করা যেতে পারে। জমিতে জল জমা অবস্থায় থাকলে এই রোগের আশঙ্কা বাড়ে, তাই জমিতে সঠিক জল নিকাশ ব্যবস্থা অত্যাবশ্যিক।



বৃষ্টির পরে যদি দিনের তাপমাত্রা বাড়ে ও বাতাসে জলীয় বাষ্পের পরিমাণ বেড়ে যায় - এই অবস্থায় শূন্যোপেকার আক্রমণ হয়। এরা দ্রুত ছড়িয়ে পড়ে। চাষিরা নজর করে এদের ডিম আর শুককীট সহ সব আক্রান্ত পাতা তুলে নষ্ট করে ফেলবেন। প্রয়োজনে ল্যামডা সায়ালোথ্রিন (৫ ইসি) ১ মিলিলিটার বা ইন্ডাক্সাকার্ব (১৪.৫ ইসি) ১ মিলিলিটার/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।

যদি ঘোড়াপোকার (সেমিলুপার) দ্বারা ক্ষতির পরিমাণ শতকরা ১৫ ভাগ বা বেশি হয়, তবে প্রফেনোফস্ (৫০ ইসি) ২ মিলি বা ফেন্‌ভেলামেট (২০ ইসি) ১ মিলি বা সাইপারমেথ্রিন (২৫ ইসি) ০.৫ মিলি প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে। স্প্রে করার সময় কেবলমাত্র ডগার পাতাগুলোর দিকেই বেশি করে ওষুধ প্রয়োগ করতে হবে।



ক) মাকড় আক্রান্ত - লাগানোর ৩০-৩৫ দিন পর
খ) জলের অভাব এড়ান, মাটিতে রস বজায় রাখুন।
ফেনপাইরক্সিমেন্ট (৫ ইসি) ১.৫ মিলিলিটার বা
স্পাইরোমেসিফেন (২৪০ এস.সি) ০.৭ মিলিলিটার বা
প্রোপারগাইট (৫৭ ইসি) ২.৫ মিলিলিটার/ প্রতিলিটার
জলে, ১০ দিন পরে পরে, পর্যায়ক্রমে ব্যবহার করতে হবে।



অতিরিক্ত বৃষ্টির জন্য জমে যাওয়া জল অবিলম্বে বের করে দিতে হবে



२। २६ एप्रिल - १० मे तारिखेर मध्ये लागानो पाटेर ज्य (फसलेर वयस ९०-१०५ दिन)

- चाषिदेर परामर्श देओया हच्चे ये, यदि सठिक समये (१२० दिन वयसे) पाट काटा यावे मने हय, तवे এই समये फसल सुरक्षार ज्य आर किछु करार दरकार नेई। तवे यदि पाट काटते देरि हय, तवे बिछा पोकार आक्रमण विषये सतर्क थाकबेन।
- এই अवस्थाय जमिंते जल दाँडिंये थाकले, काशु ओ गोड़ा पचा रोग वाडते पारे। तई जल निकाशिर व्यवस्था करून। रोगाक्रांस्त पाट ओ बेशि सरू पाट तुले फेलून, एते फलने बेशि तारतम्य हवे ना।
- यदि जमा जल बेर करा संभव ना हय, तवे १००-११० दिन वयसेर पाट केटे फेलून, एते स्वाभाविक फलनेर ९०-८० शतांश पाओया यावे एवंग खरचेर बेशिरभागटई उठे आसवे। येहेतु ए अवस्थाय जल दाँडानो थाकवे, तई पाता वरानोर ज्य जमिंते पाट राथा यावे ना। এই परिस्थितिंते पाट पचानोर ट्याक्सेर जलेर गतीरता बुके २-३ सुतेर जाक साजाते हवे।
- कला गाछेर काशु जाकेर उपर भार हिसावे देबेन ना। जाकेर उपर सरासरी माटिर चाँई देओयार प्रबनता एडिंये चलते हवे; परिवर्ते सारेर वा सिमेंटेर पुरानो वस्तुय माटि भरे, दडिं दिंये मुख बन्ध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसावे व्यवहार करा यावे। जाकेर उपर कला गाछ ओ माटि सरासरी व्यवहार करले कालो रंगेयेर निम्नमानेर आँश पाओया यय।
- चाषिरा एक बिषा जमिर पाट जाग दिंते ४ किलोग्राम वा हेक्स्टरे ३० किलोग्राम हिसावे क्राइजफ सोना व्यवहार करते पारेन; एते आँशेर गुनमान अनेकटई उन्नत हवे, मोटि फलने वृद्धि हवे ओ बाजारे भालो दाम पाओया यावे। जाक तैरीर समय प्रतोक सुतेर क्राइजफ सोना एमन भावे प्रयोग करते हवे, याते पाटेर गोड़ा दिंके एकटू बेशि परिमाने ओ डगार दिंके अपेक्षाकृत कम परिमाने देओया हय।



११० दिन वयसेर पाट



वृष्टिंर पारे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ओ वातासे जलीय वापेपर परिमान बेडे यय - এই अवस्थाय शुंयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत हडिंये पडे। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुंककीट सह सब आक्रांस्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथिन् (५ ईसि) १ मिलिलिंटेर वा इन्डुल्लकार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिंटेर/ प्रति लिंटेर जले मिशिंये प्रयोग करते हवे।

निचु जमिर फेक्त्रे यदि जमिर जमा जल बेर करा संभव ना हय, एमन जरूरीर अवस्थाय ९०-१०० दिन वयसेर पाट केटे निन।

™™ट काटार ™™र काछाकाछि ™™कुरे वा डोवाय जाक साजानो

३। समयमते लागानो पाट (२५ मार्च - १० एप्रिल): फसलेर बयस १०५-१२० दिन

- चाषिदेर परामर्श देओया हछे ये, यदि सठिक समये (१२० दिन बयसे) पाट काटा यावे मने हय, तबे एहि समये फसल सुरक्षार जन्य आर किछु करार दरकार नेई। तबे यदि पाट काटते देरि हय, तबे बिछापोकार आक्रमण बिषये सतर्क थाकबेन।
- एहि अबस्थाय जमिने जल दाँडिने थाकले, कान्ठ ओ गोड़ा पचा रोग बड़ते पारे। तहि जल निकशिर् ब्यबस्था करेन। रोगाक्रान्त पाट ओ बेशि सरफ पाट तुले फेलुन, एते फलने बेशि तारतम्य हबे ना।
- यदि जमा जल बेर करा संभव ना हय, तबे १००-११० दिन बयसेर पाट केटे फेलुन, एते स्वाभाविक फलनेर ९०-८० शतांश पाओया यावे एबं खरचेर बेशिर्भागटहि उठे आसबे। येहेतु ए अबस्थाय जल दाँडानो थाकबे, तहि पाता बरानोर जन्य जमिने पाट राखा यावे ना। एहि परिस्थितिने पाट पचानोर ट्याक्सेर जलेर गभीरता बुबे २-३ सुतेर जाक साजाते हबे।
- येहेतु पाट पूर्णबयस्क हये गेछे (१२० दिन), चाषिर् पाट केटे निते पारेन। पाट काटार परे ३-४ दिन जमिने पाता बरार जन्य खाँड़ा भावे दाँड़ करिये राखते हबे। एहि बरा पाता पचे, जमि थेके नेओया खाद्योपादान किछुटा जमिनेहि फिरिये देबे। पाट ठिकमते पचर जन्य काटा पाट थेके छट पाट (१.५ मिटारेर कम लम्बा) बेछे बान दिन।
- कला गाछेर कान्ठ जाकेर उपर भार हिसाबे देबेन ना। जाकेर उपर सरासरी माटिर् चाँई देओयार प्रबनता एडिये चलते हबे; परिवर्ते सारेर वा सिमेन्टेर पुरानो बस्ताय माटि भरे, दडि दिये मुख बन्ध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसाबे ब्यबहार करा यावे। जाकेर उपर कला गाछ ओ माटि सरासरी ब्यबहार करले कालो रंगेर निम्नमानेर आँश पाओया यय।
- चाषिर् एका बिषा जमिर् पाट जाग दिते ४ किलोग्राम वा हेक्टेरे ३० किलोग्राम हिसाबे क्रहिजाफ सोना ब्यबहार करते पारेन; एते आँशेर गुनमान अनेकटहि उन्नत हबे, मोट फलने बुद्धि हबे ओ बाजारे भालो दाम पाओया यावे। जाक तैरीर समय प्रत्येक सुतेर क्रहिजाफ सोना एमन भावे प्रयोग करते हबे, याते पाटेर गोड़ा र दिके एकटु बेशि परिमाने ओ डगार दिके अपेक्षाकृत कम परिमाने देओया हय।



(१) १२० दिन बयसेर पाट काटा



(२) पाता बरानोर जन्य पाटेर बाण्डिल राखा हयेछे



(३) जाक तैरी



(४) जाकेर उपर क्रहिजाफ सोना प्रयोग करा हछे, एते पाटेर गुनमान भालो हबे एबं पाटेर पचनकाल कमबे



(५) पाटेर जाक जले डोबानोर जन्य सिमेन्टेर पुरानो बस्ताय बालि, पाथर, माटि इत्यादि भरे देओया हछे



(६) बिकल भार हिसाबे, प्लास्टिकेर ब्यागे जल भरे मुख बन्ध करे देओया

III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलेंर कुषि TMरामर्श

(क) शणपाट / सानहेस्प



१। मे मासेर ११-२५ तारिखेर मध्ये लागानो शणपाटः फसलेंर वयस ८०-५५ दिन

- चाषिदेंर शुँयोपोकार आक्रमणेंर व्यापारे ७ सतर्क करा हच्चे। यदि बेशि आक्रमण हय, तहले क्लोरपाईरिफस् (२० इसि) २ मिलिलिटांर वा निमतेल ७-८ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये स्प्रे करार सुपारिश करा हय।
- यदि खरार परिस्थिति चलते থাকे एवं शीघ्र वृष्टिंर सञ्जावना ना देखा यय, तबे एकवार हलका जलसेच दिते हबे।
- आर यदि बेशि वृष्टि हय, शीघ्र जमि थेके निकाशि नाला दिये जल बेर करे दिते हबे।
- भईरास घटित रोग येमन - पाता मोड़ा एवं शणपाटेर मोजेहक रोग हते पारे। आक्रान्त गाछ तुले नष्ट करे फेलते हबे याते एई रोग आर छड़ाते ना पारे।



७० दिन वयसेर शण TMट फसल



भास्कुलार उईल्ट वा जले TMडा रोगे आक्रान्त शण TMट



शुँयो TMका आक्रान्त शण TMट फसले कीटनाशक प्रयोग

२। एप्रिले २७ - मे मासे १० तारिखे मध्ये लागानो शणपाटः फसले बयस १५-३० दिन

- शणपाट अखले आवहाओयार पूर्वाभास अनुसारे सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३४ डिग्रि ओ सर्वनिम्न तापमात्रा २७-२९ डिग्रि थाकते पारे एवंग आगामी एक सप्ताहे भारी वृष्टि सञ्जावना, तहि एर जना प्रसुत थाकुन।
- बर्यार प्रभावे यदि बेशि वृष्टि हय, सेखाने जल जमे धसा (भास्कुलार उईल्ट) रोगेर प्रकोप हते पारे। ए अवस्थाय अतिरिक्त जल निकाशि करे बेर करे दिते हवे।
- गरम आवहाओया ओ पाता खुब घन हये गेले, शुँयोपोकार आक्रमण बियये चाषिदेर सतर्क थाकते हवे। यदि पोकार आक्रमण बेशि हय, तबे ल्यामडा सईहालोप्लिन ५ इसि १ मिलि प्रति लिटार जले वा इन्डुक्कार्ब १४.५ एससि १ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



८०-८५ दिन बयसेर फसल



जमि थेके जल बेर करा हछे

३। एप्रिले माबामाबि समये लागानो शणपाटः फसले बयस ८५-१०० दिन

- ९०-१०० दिन बयसेर शणपाट केटे नेओया येते पारे। कास्ते दिये गोडा थेके केटे १५-२० सेन्टिमिटर आकारेर बाडिल बेँधे निते हवे, एते पचाते ओ आँश धुते सुबिधा हवे। शणपाटेर डगार नरम अंशता केटे गोखाद्य हिसाबे वा माटिते मिशिये सबुज सार हिसाबे ब्यवहार करा येते पारे।
- शणपाटेर बाडिलगुलि पाशापाशि आनुभूमिक भावे रेखे सुबिधाजनक आकारेर पाटातनेर मतो करे, बाँश दिये बेँधे वा भार चापिये जलेर २०-२५ सेन्टिमिटर निचे डुबिये देओया हय। तापमात्रा अनुसारे पचन हते साधारणत ३-५ दिन लागे। काठि थेके सहजे आँश छाडानो याछे कि ना देखे - पचन सम्पूर्ण हयेछे बोबा यय।



९०-१०० दिन बयसेर शणपाट काटा



काटा शणपाटेर बाडिल तैरी



काहाकाहि जलाशये जाक तैरी

ख। मेस्ता



केनाफ / जलमेस्ता



रोजेल मेस्ता

१। जून मासेर माबामाबि लागानो मेस्ता : फसलेर बयस ३०-४० दिन

- घास जातीय आगाछा नियन्त्रणेर जन्य, मेस्ता लागानोर १५-२० दिन पर कुईजालोफप ईथाईल (५ ईसि) १.५-२.० मिलि प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे, परे एकवार हात निडानि करा दरकार। अन्यान्य आगाछा दमनेर जन्य स्फुरापार लागानो क्लिजफ नेल उईडार वा एक चाका पाट निडानि यन्त्र (सिङ्गल हईल जुट उईडार) व्यवहार करा यावे।
- जलीय गरम आवहाओयार काभ ओ गोडा पचा रोगेर प्रादुर्भाव हते पारे, या वृष्टिेर समय द्रुत छडिये परे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करन। कपार अक्लिक्लोराईड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोडार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेस्तार पातार धार थेके शुरु हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बरे येते पारे। रोगेर आक्रमण प्रतिहत करते- कपार अक्लिक्लोराईड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



४०-५० दिन बयसेर शण TMट



गोडा ओ काभ TMचा रोग



मेस्तार फोमा TMता बलसा रोग



२। जून मासेर प्रथम सपुत्ताहे लागानो मेस्ता (फसलेर बयस ४५-६० दिन)

- जलीय गरम आवहाओयार काभ ओ गोडा पचा रोगेर प्रादुर्भाव हते पारे, या वृष्टिेर समय द्रुत छडिये परे। जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करन। कपार अक्लिक्लोराईड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोडार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेस्तार पातार धार थेके शुरु हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बरे येते पारे। रोगेर आक्रमण प्रतिहत करते- कपार अक्लिक्लोराईड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- खरार परिस्थिति चलते থাকले, दईये पोकार (मिलिबाग) आक्रमण हते पारे। यदि एक जायगय अनेक दईये पोकार कलोननी देखा यय तवे ता नष्ट करे, पाताय प्रोफेनोफस् ५० ईसि, २ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



६० दिन बयसेर फसल



मेस्तार फोमा TMता बलसा रोग

७। मे मासेर माबामाबि लागानो मेस्ता ः फसलेर बयस ७०-१५ दिन

- जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करन, एते फसल विभिन्न जैविक ओ अजैविक चाप थेके मुक्त थाके। जल जमा थाकले कांठ ओ गोड़ा पचा रोगेर प्रादुर्भाव हते पारे। कपार अक्विक्लोरहाइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोड़ार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेस्तार पातार धार थेके शुरू हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। जलीय आवहाओयार बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बारे येते पारे। रोग शतकरा ५ भागेर बेशि हले, रोगेर आक्रमण प्रतिहत करते- कपार अक्विक्लोरहाइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेव २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



७०-१५ दिन बयसेर फसल



गोड़ा ओ कांठ TMचा रोग



मेस्तार फोमा TMता बलसा रोग

ग) सिसाल

भूमिका: सिसाल (एगोड सिसालाना) प्राय-बह्वर्षजीवी पाता থেকে तন্ত উৎপাদনকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চীন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীণ অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়ণে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ণ করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

বুলবিল সংগ্রহ: সিসাল গাছের ফুলের দণ্ড (যাকে পোল বলা হয়) বের হবার পর সিসালের বৃদ্ধি বন্ধ হয়ে যায়। প্রত্যেকটি পোলে প্রায় ২০০-৫০০ টি ছোট ছোট বুলবিল হয়, এদের প্রত্যেকটিতে ৪-৬ টি ক্ষুদ্র পাতা থাকে। এই বুলবিলগুলি সংগ্রহ করে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়।

প্রাথমিক নার্সারির প্রস্তুতি: সংগৃহীত বুলবিলগুলি অতি যত্নের সঙ্গে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়। এই নার্সারির ১ মিটার চওড়া কিছুটা উঁচু করা জমিতে, বুলবিলগুলি ১০-৭ সেমি. দূরে দূরে লাগানো হয়। নার্সারির জমির মাটিতে খামার সারের পাশাপাশি রাসায়নিক সার এনএপিএকে - ৩০ঃ১৫ঃ৩০ কিলো প্রতি হেক্টরে হিসাবে প্রয়োগ করতে হবে। বুলবিলগুলি প্রথম দিকে আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতায় পেলে ওঠে না, এবং জলের অভাব হতে পারে, তাই আগাছা দমন করতে হবে ও প্রয়োজনে জল সেচের ও অতিরিক্ত জল নিকাশির ব্যবস্থা করতে হবে।

মাধ্যমিক নার্সারির পরিচর্যা

➤ নার্সারির জল নিকাশি ব্যবস্থা করবেন ও নার্সারি আগাছা মুক্ত রাখবেন। সুস্থ সাকার পাবার জন্য মেটালাক্সিল ২৫ শতাংশ এবং ম্যানকোজেব ৭২ শতাংশ মিশ্রণ ০.২৫ শতাংশ হারে স্প্রে করে অন্তরবর্তী পরিচর্যা করতে হবে। উদ্ভিদ খাদ্যোপাদান যোগান ও আগাছা দমনের জন্য সিসাল কম্পোস্ট ব্যবহার করা যেতে পারে। যে সব চাষীদের মাধ্যমিক নার্সারি তৈরী বাকি আছে, তারা প্রাথমিক নার্সারিতে বড় করা বুলবিল, মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫০-২৫ সেমি দূরত্বে লাগাবেন। বুলবিল লাগানোর আগে পুরানো পাতা ও শিকড় কেটে বাদ দিয়ে ২০ মিনিট ম্যানকোজেব (৬৪ শতাংশ) ও মেটালাক্সিল (৮ শতাংশ) মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। এক হেক্টর নার্সারিতে ৮০,০০০ সাকার লাগানো যায় তবে শেষ পর্যন্ত ৭২,০০০-৭৬,০০০ সাকার বাঁচে। ধরে নেওয়া হয় যে মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫-১০ শতাংশ চারা মরতে পারে।

সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

➤ প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরীর পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।



ক



খ



গ



ঘ

(ক) সিসাল TMপাতা কাটা, (খ) TMপাতা ছাড়ানো, (গ) প্রাথমিক নার্সারিতে অন্তরবর্তী TMরিচর্যা, (ঘ) জেরা রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য ক TMশর অক্সিক্লোরাইড ২-৩ গ্রাম/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ

नतून सिसाल खेतेंत परिचर्या

- एक-दुई बखरेंत वयसेंत सिसाल खेतेंत आगाछा नियंत्रणेंत व्यवस्था करतेंत हबें, यातेंत सिसालेंत जल ओ खादेंत जल आगाछा सज्जे प्रतियोगिता कमेंत वय। जेव्हा रोगेंत प्राथमिक लक्षण देखा गेलें - कपार अक्लिक्लोरॉइड ३ ग्राम प्रति लिटारेंत वा म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाक्लिड ८ शतांश मिश्रण २.५ ग्राम प्रति लिटारेंत जलेंत मिश्रियेंत प्रयोग करतेंत हबें। सठिक वृद्धि ओ फलनेंत जल हेंक्टेर प्रति २ टन सिसाल कम्पोस्ट एवंग ७०:३०:३० किलो एन.पि.के. सार प्रयोग करतेंत हबें। प्रथम बखरेंत, सिसाल गाछेंत चारधारे गोल करे सामान्य गर्त करे सार प्रयोग करतेंत हबें।

मूल जमिंतेंत सिसाल लागानो

- पुरानो मूलजमिंतेंत सिसाल थेंके सरासरी तोला सिसाल साकार ओ माध्यमिक नार्सरी थेंके पाओया सिसाल साकारेंत व्यवहार करे सिसालेंत नतून मूल जमिंतेंत चारा लागतेंत पारलेंत ভালो हय। माध्यमिक नार्सरींतेंत वड करी साकार, पुरानो पाता ओ शिकड छेंटे मूल जमिंतेंत लागतेंत हबें। लागानो आगे म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाक्लिड ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटारेंत जलेंत मिश्रियेंत २० मिनिटेंत जल साकारेंत शिकड अखल धुयेंत नितेंत हबें। साकार पिटेंत गर्तेंत माखानेंत सूचालो काठिरेंत साहाय्य नियेंत लागतेंत हबें।
- साकारेंत आकार (साइज) ३० सेमि लम्बा, २.५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हतेंत हबें। ये सब साकारेंत रोग-पोकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेंत (खादेंत वा जलेंत अभाव युक्त) लक्षण आछें, सेगुलि वद दितेंत हबें।
- सिसाल गाछेंत वृद्धि जल हेंक्टेर प्रति ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ३० केजि फस्फेट, ७० केजि पाटाश दितेंत हबें। नाइट्रोजेन सार २ वारेंत दितेंत हबें - मोट परिमानेंत अर्धेक वर्षा शुरुर आगे, आर बाकि अर्धेक वर्षा चले यावार पर।
- ये सब चाषिरा एखनो जमि निर्वाचन करेननि, तादेंत जल ना दाँडाय एमन जमि निर्वाचन करतेंत हबें यातेंत कमपक्षे १५ सेमि गभीर माटि थाकतेंत हबें। टालु जमिंतेंत सिसाल चाषेंत खेचेंत, पुरो जमि चाष देवार दरकार नेंत।
- आगाछा, षोपवाड परिष्कार करे १ घन फुटेंत पिटि ३.५ मिटार — १ मिटार-१ मिटार दुरेंत दुरेंत वानातेंत हबें, एतेंत ४,५०० टि पिटि हबें येथानेंत वर्षारेंत शुरुरतेंत दुई सारि (डबल रो) पद्धतिंतेंत सिसाल लागतेंत हबें। तबेंत प्रतिकूलपरिस्थितिंतेंत ३.० मिटार — १ मिटार-१ मिटार दुरेंत दुरेंत पिटि करे, प्रति हेंक्टेरेंत ५,००० टि साकार लागानो याबें।
- सिसालेंत जल तैरी करी पिटि, माटि ओ सिसाल कम्पोस्ट दियेंत भरि करतेंत हबें, यातेंत माटि बुरबुरेंत थाके। अन्न माटिंतेंत हेंक्टेर प्रति २.५ टन हारेंत चुन प्रयोग करतेंत हबें। पिटेंत गर्तेंत मध्ये एमन भाबेंत माटि पूर्ण करतेंत हबें यातेंत १-२ इंच उँचु हयेंत थाके, एतेंत सिसाल साकार सहजे दाँडातेंत पारबें।
- माटिंतेंत खर रोध करतेंत, सिसाल साकार जमिंतेंत स्वाभाविक टालेंत आडाआडि ओ समोमति रेखा वरावर लागतेंत हबें। साकार संग्रहेंत ४५ दिनेंत मध्ये जमिंतेंत साकार लागानो सम्पूर्ण करतेंत हबें। लागानो परेंत हेंक्टेर प्रति कमपक्षे १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखतेंत हबें, यातेंत प्रयोजन कोनो कारणेंत खालि वयेंत याओया जयगय आवार सिसाल चारा लागियेंत जमिंतेंत सिसाल चारार आदर्श संख्या वजय राखा वय।
- पुरानो मूलजमिंतेंत सिसाल थेंके सरासरी तोला सिसाल साकारेंत परिवर्तेंत, माध्यमिक नार्सरी थेंके पाओया सिसाल साकारेंत व्यवहार करे सिसालेंत नतून मूल जमिंतेंत चारा लागतेंत पारलेंत ভালो हय।

सिसाल पाता काटा - क्रमशः वातासेर तापमात्रा वेडे याछें, ताई देरि ना करे अविलम्बे सिसाल पाता काटा शेष करतेंत हबें, ता ना हलें सिसाल तन्तुर उँपान कमेंत याबें। विकलेंत दिके सिसाल पाता काटतेंत हबें एवंग चेष्टा करतेंत हबें यातेंत एकई दिने पाता थेंके आँश छाडानो हयेंत वय। पाता काटार परेंत, रोगेंत हात थेंके सिसाल बाँचातेंत, कपार अक्लिक्लोरॉइड २-३ ग्राम/प्रति लिटारेंत जलेंत मिश्रियेंत स्प्रे करतेंत हबें।

अतिरिक्त आयेरेंत जल सिसालेंत सज्जे अन्तर्वर्ती फसलेंत चाष

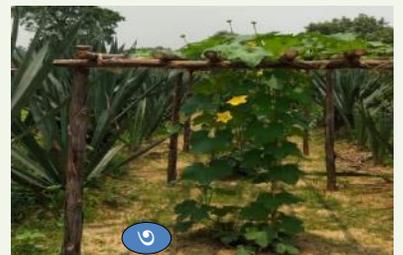
- माचा पद्धतिंतेंत दुई सारि सिसालेंत माखानेंत जमिंतेंत सज्जे चाष करे फलन वाडियेंत चाषिरेंत अतिरिक्त लाभ हतेंत पारें। आम फसलेंत फल पाडा हयेंत गेलें, वर्षाकालेंत वृष्टि काजे लागियेंत सार प्रयोगेंत काज करे फेलतेंत हबें। टेड्डय फसलेंत खेचेंत सार प्रयोग ओ रोग-पोकार जल यथायथ व्यवस्था नितेंत हबें।



१



२



३

सिसालेंत जमिंतेंत अन्तर्वर्ती फसल (१) सबेदा, (२) टेड्डय, (३) धुँदुल

सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाडजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एही व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिये ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एही सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एही सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एही खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाड हते पारे।
- २। चाषिरा एही खामार व्यवस्थाय दुँटि गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाड करते पारेन। सिसालेर सडे अश्वरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एही गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एही व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसालेर सडे दुँ सारिर माखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरुम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाड हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरुम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पोस्त तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाड हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - तौ एही अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाडजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एही अषधले एमनितेही अपेष्काकृत कम वृष्टि हय, तौ वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टेर सिसालेर जमिर मात्र एक दशमांश एही जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एही जल धरार पुकुरेर माप हवे ३० मिटार-३० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एही पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाडवान हओया यावे ता हलो -
 - सिसालेर सडे चाष करा अश्वरवती फसलेर संकटकालीन सेच एही पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एही सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
 - एही जल व्यवहार करे सिसालेर आँश छाडानोर परे थोया यावे।
 - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
 - मिश्र माछ चाष पद्धतिने कातला, रुई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
 - एही जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडियार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

घ) रेमि



- আবহাওয়ার পূর্বাভাস অনুসারে, আসামের রেমি অঞ্চলে (বিশেষত বরপেটা জেলায়) বজ্রবিদ্যুৎসহ মাঝারি থেকে ভারী বৃষ্টির সম্ভাবনা। রেমি জল জমা একদম সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে জল নিকাশি ব্যবস্থা করতে হবে।
- সময় মতো রেমি কাটা খুবই গুরুত্বপূর্ণ, তাই প্রতি ৪৫-৬০ দিন অন্তর রেমি কাটতে হবে। এর থেকে বেশি দেরি হয়ে গেলে, রেমির কান্ড সবুজ থেকে গাঢ় বাদামী রংয়ের হয়ে যায়, যা বাঞ্জুনীয় নয় এবং রেমি চাষিরা তা এড়িয়ে চলবেন।
- পুরানো জমির রেমির অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা কান্ড সমান ভাবে বেড়ে ওঠায় সাহায্য করতে, কেটে দিতে হবে (স্টেজ ব্যাক) এবং তার পরে হেক্টরে ৩০-১৫-১৫ কিলো হিসাবে এন.পি.কে সার দিতে হবে।
- নতুন রেমির জমিতে, মাঝে মাঝে রেমি গাছ না থাকলে, ফাঁকা জায়গাগুলো নতুন রেমি চারা লাগিয়ে পূরণ করতে হবে।
- রেমির জমিতে ঘাস জাতীয় আগাছা দমনের জন্য কুইজালোফপ ইথাইল (৫ ইসি) ৪০ গ্রাম এ.আই প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করতে হবে।
- বিভিন্ন ধরনের পোকা যেমন - ইন্ডিয়ান রেড এ্যাডমিরাল ক্যাটারপিলার, হেয়ারি ক্যাটারপিলার, লেডি বার্ড বিটল, লিফ বিটল, লিফ রোলার, উঁই পোকা ইত্যাদির আক্রমণ হতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ক্লোরপাইরিফস ০.০৪ শতাংশ প্রয়োগ করার পরামর্শ দেওয়া হয়।
- এই সময়ে বিভিন্ন ধরনের রোগ যেমন - সারকোস্পোরা লিফ স্পট, স্কেলেরোশিয়াম রট, এ্যানথ্রাকনোজ লিফ স্পট, ড্যাম্পিং অফ এবং ইয়েলো মোজাইক রোগ দেখা দিতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ছত্রাকনাশক যেমন- ম্যানকোজেব ২.৫ মিলি/ লিটার বা প্রপিকোনাভোল ১ মিলি/ লিটার জলে দিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।



রেমি রাইজোম লাগানো



নতুন রেমির খেত



রেমি কাটা হচ্ছে



রেমি কান্ড কাটার পরে পাতা ছাড়ানো



রেমির আঁশ ছাড়ানো



রেমি তন্তু (আঠা সহ) ছাড়ানোর পর রোদে শুকানো



जमिर स्वाभाविक स्थाने पाट पचानोर जल जलेर सधय एवंग दीर्घमेयादि परिवेशबाह्य खामार व्यवस्था

- वृष्टि अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जल उपयुक्त सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जलेर योगान, चाषेर खरच ओ कृषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिने याओया इत्यादि विवेचना करे देखा याय, चाषिरा पाट ओ मेस्ता पचानोते असुविधार समुधीन हछेहन। कम जले एवंग सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जले क्रमागत पाट पचानोर फले, पाटेर आँशेर मान खाराप हछे एवंग आनुर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारहे ना।

बर्षा आसार आगेई पाट पचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हबे

- पाट काटा ओ पचानोर मरशुमे जलेर अभाव दूर करार जल - बर्षा शुरुआर आगेई जून मासे जमिर कोनार दिके स्वाभाविक निचू जायगाय ई पाट पचानोर पुकुर तैरी करते हबे, येथाने मोट वृष्टि वये याओया ७०-८० शतांश वृष्टि जल (या १२००-२००० मिलिमिटर मतो हय) जमा हबे ओ पाट एवंग पचानोर काजे लागबे। एर फले पाट ओ मेस्ता चाषे चाषिदेर लाभ आरो बाडबे।

पुकुरेर माप एवंग एक एकर जमिर पाट पचानोर जल पचन पद्धति

- पुकुरेदर आकार हबे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाट वा मेस्ता ई पुकुरे दु'वार जाग देओया बाबे। पुकुरेर पाडू यथेष्ट चओडा (१.५-१.८ मिटर) हबे, याते पेँपे, कला ओ सज्जि लागानो याय। ई खामार प्रणालि/ व्यवस्थाय पुकुर ओ तार पाडू निने मोट आयतन १८० बर्ग मिटर हबे। चाषिरा यदि ई खामार प्रणालिते आरो बेशि परिमाने जमि व्यवहारे इच्छुक, ताहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-७०० माइक्रनेर कृषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिने टेके दिते हबे याते पुकुरेर जल चुईये वा निचे चले गिने नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हबे एवंग एक एकटि जाके तिटि करे सुतर थाकबे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-७० सेन्टिमिटर उपरे थाकबे एवंग जाकेर उपर २०-७० सेन्टिमिटर जल थाकबे।

जमि तेई तैरी पचन पुकुरेर सुविधा

- प्रचलित पद्धतिते पचानोर स्फेद्रे पाट केटे पचानोर पुकुरे वये निने याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका ई पद्धतिते साश्रय हबे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु ई नतून पद्धतिते एकरे १८ केजि क्राईजफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे बाबे। द्वितीय वार पचानोर समय क्राईजफ सोना अर्धेक लागबे एवंग एते ८०० टाका खरच बाँचबे।
- पाट पचानोर जल वृष्टि नतून धरा जल व्यवहार करले वा ई समय वृष्टि हले - धीरे वये चला जल पाओया बाबे एवंग आँशेर गुनमान कमपक्षे १-२ ग्रेड उन्नत हबे।

तैरी करा पुकुरे पाट ओ मेस्ता पचानो छाडाओ वृष्टि धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा बाबे -

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवस्थाेर माध्यमे पेँपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्से प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हबे।
- २। वायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, मागुर, शिंशि माछ चाष करे ५०-६० केजि माछ पाओया येते पारे।
- ३। ई व्यवस्थाय मोमाछि पालन करा बाबे (प्रति ट्याक्से लाभ ९,००० टाका) एवंग एते बीज उपादने परागमिलने सुविधा हबे।
- ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पोस्ट तैरी करे आय हते पारे।
- ५। ई पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
- ६। पाट पचानो जल, पाटेर सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसलेर सेचेर जल व्यवहार करा बाबे एवंग प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।

सुतरां जमि ते ई पद्धतिते पुकुर वानिये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर क्षति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिये, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारेन। एखाडाओ ई पद्धतिते चाषेर फले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचबे। सेई सङ्गे ई प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर क्षतिकर प्रभाव कम करते सम्भम।

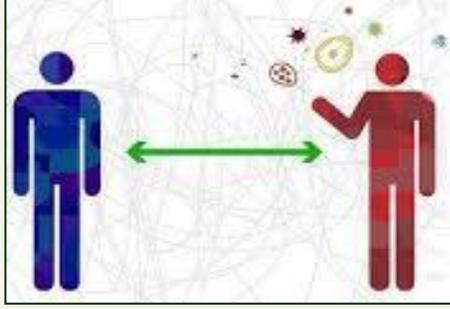


पाट ओ मेसुता चाषे जमरर स्याभावरक सुाने जलाधार भरतुक पररवेशबाकुर सुनररुतुर खामार वुवसु

- ❖ पाट/ मेसुता पचानु
- ❖ माहू चाष
- ❖ पाडे सजुतु चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भारुकम्पोसुतु तैरु

- ❖ हूस पालन
- ❖ मुरुमाहुर पालन
- ❖ फल वारुगरुा (पुँपे ओ कला)

V. TMपाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य TMरामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरी मावे मावे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरी धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरी रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवंग अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये परामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय থাকे।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनेर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडांओ मेशिनेर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिये परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरी टिफिनेर समय वा अवसरेर समय भिड करे एक जायगाय आसबेन ना एवंग ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिरी ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनी अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



आपनादर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,
निर्देशक,
भा.कृ.अनु.प - क्रिज्याफ,
नीलगञ्ज, ब्यारकपुर,
कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

Acknowledgement: The Institute acknowledges the contribution of the Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production Division, Crop Improvement Division and Crop Protection Division, In-charges of AINP-JAF and Agril. Extension Section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their Division/ Section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge of AKMU, ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory [Issue No: 13/2022 (8-22 July, 2022)].